भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

केंद्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

दिः 15 अगस्त, 2025

हथियारबंद संघर्ष को अस्थाई रूप से त्याग कर

भारत की उत्पीडित जतना के समस्याओं का

निराकरण के लिए जन संघषों मे भाग बनेंगे।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री; गृहमंत्री; माओवादी आंदोलन से प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री; शांति वार्ता के प्रति सानुकूल रवैया अपनाने वाले सत्ता एवं तमाम विपक्ष पार्टियों के नेतागण, शांति कमेटी के साथियों, पत्रकारों एवं जनता के सामने बदली हुई हमारी पार्टी के रूख को इस प्रेस विज्ञप्ति द्वारा हम स्पष्ट कर रहे हैं।

2025 मार्च आखरी सप्ताह से हमारी पार्टी सरकार के साथ 'शांति वार्ता' के लिए गंभीर एवं ईमानदारी के साथ प्रयास कर रही है। हमारी पार्टी के केंद्रीय कमेटी का प्रवक्ता कामरेड अभय के नाम पर मई 10 को स्वयम हमारी पार्टी के माननीय महासचिव एक प्रेस बयान जारी किया था। उसमें उन्होंने हमारी पार्टी हथियार छोडने के बारे मे उल्लेख करते हुए इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर हमारी पार्टी के सर्वोच्च नेतृत्वकारी कामरेडों के साथ सलाह मशविरा करने के लिए एक माह के समय की मांग करते हुए सरकार के सामने सीज फायर का प्रस्ताव रखा था। लेकिन, दुर्भाग्यवश उस पर केंद्र सरकार अपनी सानुकूल रूख को जाहिर नही किया था। बल्कि जनवरी 2024 से जारी अपनी घेराव और उन्मुलन सैनिक हमलों को और तेज किये है।

फलस्वरूप, हजारों की संख्या में सशस्त्र पुलिस बल की तैनात कर घेराव एवं उन्मूलन हमले को अंजाम दिया गया. माड के गुंडेकोट के पास 21 मई को हुई भीषण हमलें में साहसिक रूप से प्रतिरोध करते हुए हमारी पार्टी के महा सचिव कामरेड बसवाराजू सहित केन्द्रीय कमटी के स्टाफ एवं उनके सुरक्षा गार्ड के 28 साथी शहीद हुए।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में, उनसे पहले किये गए शांति वार्ता की प्रक्रिया को बीच में आधा अधूरा न छोड़कर उनके विचारों के अनुरूप शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए हम यह निर्णय लिया और उस पर इस प्रेस बयान को जारी कर रहे हैं।

हमारी पार्टी के माननीय महासचिव के पहलकदमी पर शुरू हुए शांति वार्ता के प्रक्रिया को आगे ले जाने के तहत हम यह स्पष्ट कर रहा है कि, बदले हुए विश्व एवं देश के परिस्थितियों के अलावा लगातार देश के प्रधान मंत्री, गृह मंत्री से लेकर वरिष्ट पुलिय अधिकारियों तक हम हथियार छोडकर, मुख्य धारा मे शामिल होने के लिए किये जारहे अनुराधों के मद्धेनजर हम हथियार छोडने का निर्णय लिए हैं। हथियारबंद संघर्ष को अस्थायी रूप से विराम घोषित करने का निर्णय लिए हैं। हम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि, भविष्य मे, हम जन समस्याओं पर तमाम राजनीतिक पार्टियां एवं संघर्षरथ संस्थाओं से जंहा तक संभव हो कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करेंगे।

इस विषय पर केंद्र के गृहमंत्री य उनसे नियुक्त व्यक्तियों से अथवा प्रतिनिधि मण्डल से वार्ता के लिए हम तैयार हैं। लेकिन हमारी इस बदले हुए विचार से पार्टी को अवगत कराना पडेगा। यह हमारी दायित्व बनेगि। बाद में पार्टी के अंदर इस पर सहमत जतान वाले य विरोध करने वाले स्पष्ट होकर, सहमत जताने वाले साथियों से एक प्रतिनिधि मण्ड़ल तैयार कर शांति वार्ता में हम शिरखत करेंगे।

वर्तमान में हमारे संपर्क में रहे सीमित कैडर एवं कुछ नेतृत्वकारी साथी इस नयी रूख पर अपनी पूरी सहमत जता रहा है। इसलिए केंद्र सरकार से हमारी अनुरोध यह है कि समूचे देश भर के अलग–अलग राज्यों में काम कर रहे और जेल में बंद साथियों से सलाह मशविरा करने के लिए हमें एक माह की समय देना है।

इस विषय पर प्राथमिक रूप से सरकार के साथ वीडियो कॉल के जरिये विचारों का आदान–प्राधान करने के लिए भी हम तैयार हैं। इसलिए और एक बार हम स्पस्ट कर रहे हैं की फौरन एक माह समय के लिए औपचारिक रूप से सीजफायर की घोषणा करें, खोजी अभियानों को रूखवाकर शांति वार्ता प्रक्रिया को आगे बढ़ाना व खून से बह रहे जंगलों को शांति वनों में तब्दील करना आपसे लिए जाने वाली सानुकूल रूख पर ही निर्भर करेगी।

हम देश के तमाम मेहनतकश जनता, दलित, आदिवासी, महिला एवं धार्मिक अल्पसंख्यको और बुद्धिजीवी, मानव अधिकार कार्यकार्ता, शांति कमेटी के मित्रगण, लेखक, कलाकारों से यह अपील कर रहा हैं कि बदले हुए परिस्थितियों में पार्टी एवं देश के क्रांतिकारी आंदोलन सामना कर रही बहुत बुरी परिस्थितियों में हम से लिए गए इस निर्णय को समझना है। हम आपसे यह उम्मीद कर रहा है की, तहे दिल से आप इसे समझ कर हमें आपका पूर्ण सहयोग देते हुए इस प्रक्रिया को आगे लेजाओगे। आज हम सब मिलकर, हमारी पार्टी पर एवं समूचे देश के तमाम माओवादी आंदोलनरथ इलाकों पर जारी भीषण सैनिक हमलों को सरकार से रूकवाकर खून बह रही जंगलों में शांतिपूर्ण वातावरण को कायम करना है।

बदली हुई हमारी रूख पर समूचे देश भर के अलग–अलग क्षेत्रों में काम कर रहे पार्टी के नेतृत्व व मित्रगण एवं भारत के क्रांतिकारी आंदोलन के हितैषियों और देश के जनवादी, प्रगतिशील ताकतें एवं वामपथी शक्तियों और संस्थाए अपनी विचारों को कष्ट कर हम तक पहुंचाने से हम तहेदिल से स्वीकार कर उन पर गौर करने के लिये तैयार है।

नीचे दिए गये ई–मेल, फेसबुक के आइड़ी पर आपके विचारों को हम तक पहुंचाईए। हमारी प्रपोजल पर सरकार अपनी सहमति जताते हुए सहयोग करने की आश्वाशन देने के फौरन बाद से ही हम यह दिये ईमेल और फेसबुक अकाउंट को देख सकते हैं। सरकार से हमारा यह अनुरोध हैं कि आप अपनी निर्णय को इंटरनेट से दूर रहने वाले हमारी पार्टी के तमाम कैड़रों तक पहुँचाने के लिए आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के माध्यम से जरूर प्रसार करवाईए।

विशेष सूचनाः

1. हमारी पार्टी के जो भी साथी सरकार से दिए गए समय सीमा के अंदर यदि अपनी अनमूल विचारों को हम तक पहुँचाने मे असमर्थ रहने से आप चिंता मत कीजिये। वार्ता प्रक्रिया के दौरान भी आप आपका विचार भेज सकते है।
2. देश के अलग–अलग जेलों में बंदी साथी भी जेल अधिकारियों के अनुमति से आपके विचारों को कृपया भेजिए।
3. राज्य कमेटी, स्पेशल एरिया कमेटी, स्पेशल जोनल कमेटी, सब जोनल ब्योरों सहित पार्टी के अलग–अलग स्तरों में प्रवक्ता के जिम्मेदारी निभा रहे साथीगण एकमत के साथ राय प्रकट होने पर प्रवक्ता के नाम से भी भेज सकते है।
   – ईमेल : nampet(2025)@gmail.com
   – फेसबुक – nampetalk

नोटः कई कारणों से यह बयान लेट से जारी कर रहे हैं.

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

(अभय)
प्रवक्ता
केंद्रीय कमेटी, भाकपा (माओवादी)